इंडियन म्यूज़ियम ऑफ अर्थ

चर्चा में क्यों?

अपनी प्रागैतहािसकि वरािसत को बेहतर ढंग से संरक्षति करने के लयि भारत सरकार इंडयिन म्यूजयिम ऑफ अर्थ (The Indian Museum of Earth-TIME), 'पृथ्वी संग्रहालय' (Earth Museum) के नरि्माण की योजना बना रही है।

प्रमुख बदिु

- भारत में भूगर्भीय और पुरापाषाणकालीन नमूनों का वशािल संग्रह मौजूद है। इस संग्रह की सहायता से पृथ्वी और इसके इतहािस के संबंध में बेशकीमती वैज्ञानकि जानकारयिाँ प्राप्त की जा सकती हैं।
- ध्यातव्य है कयि दुर्लभ नमूने पूरे देश में अलग-अलग प्रयोगशालाओं में बखिरे हुए हैं जनि्हें एक स्थान पर एकत्रति करने के लयि केंद्र सरकार उक्त संग्रहालय के नरि्माण की योजना बना रही है।
- इस संग्रहालय को अमेरकिी प्राकृतकि इतहािस संग्रहालय (American Museum of Natural History) या स्मथिसोनयिन संग्रहालय (Smithsonian Museum) के आधार पर बनाया जाएगा।
- इसे सार्वजनकि-नजिी भागीदारी के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थापति कयिा जाएगा।
- कसिी एक स्थान पर स्थरि सामान्य संग्रहालयों से भनि्न यह प्रस्तावति संग्रहालय डायनामकि होगा, ताकजिीवाश्म से संबंधति अनुसंधानों तथा छात्रों हेतु वभिनि्न गतविधियिों को बढ़ावा दयिा जा सके।
- इस संग्रहालय में एक ऐसे रपिॉजटिरी की भी व्यवस्था होगी जहाँ संग्रहकर्त्ता तथा शोधकर्त्ता अपने संग्रह (नमूने) सुरक्षति रख सकेंगे ताकभिावी पीढ़ी के शोधकर्त्ता उन नमूनों का अध्ययन कर सकें।

आवश्यकता क्यों?

- भारत में एक भी ऐसा संग्रहालय नहीं है, जहाँ नए नमूनों की तुलना पहले से खोजे गए नमूनों से की जा सके।
- पुरातत्त्वीय, नृजातीय, भूगर्भीय तथा प्राणि-वज्ञिान एवं पृथ्वी के वकिास क्रम के संबंध में समझ वकिसति करने की दृष्टसि से ऐसे संग्रहालयों की आवश्यकता है।

स्रोत- द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/the-indian-museum-of-earth